SWAच्छ VAARTA

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
भारत सरकार
MINISTRY OF HOUSING AND URBAN AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छ महाकुंभ

विशेष संस्करण

स्वच्छ भारत मिशन अर्बन 2.0
न्यूजलेटर

सत्यमेव जयते

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
भारत सरकार

MINISTRY OF HOUSING AND
URBAN AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA

“सफाई कर्मियों के योगदान से इस बार कुंभ की पहचान स्वच्छ कुंभ के रूप में हुई। दिव्य कुंभ को भव्य कुंभ बनाने में सबसे बड़ा योगदान कर्मियों का रहा है। कुंभ में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा गया, ये बड़ी जिम्मेदारी थी। सफाईकर्मियों के चरण धुलकर जो वंदना की उसका अहसास जिंदगी भर रहेगा।”

श्री नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

कुंभ 2019

INDEX

Pg 5-17

स्वच्छ महाकुंभ 2025

Pg 18-19

बजट 2025

Pg 20-21

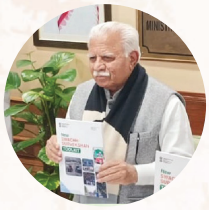

नई स्वच्छ सर्वेक्षण टूलकिट

Pg 22-24

गणतंत्र दिवस

राष्ट्रीय युवा दिवस

Pg 25

क्षमता निर्माण कार्यशाला

Pg 26

केंद्रीय मंत्री का महाकुम्भ 2025 में दौरा

Pg 27

शहरी विकास पर राज्य मंत्री ने की चर्चा

Pg 28

फील्ड विजिट

Pg 29-31

शहरों की पहल

Pg 32-33

स्वच्छता खबरों में

Pg 34

सोशल मीडिया ट्रेंड्स

Pg 35

माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने महाकुंभ 2025 का दौरा किया

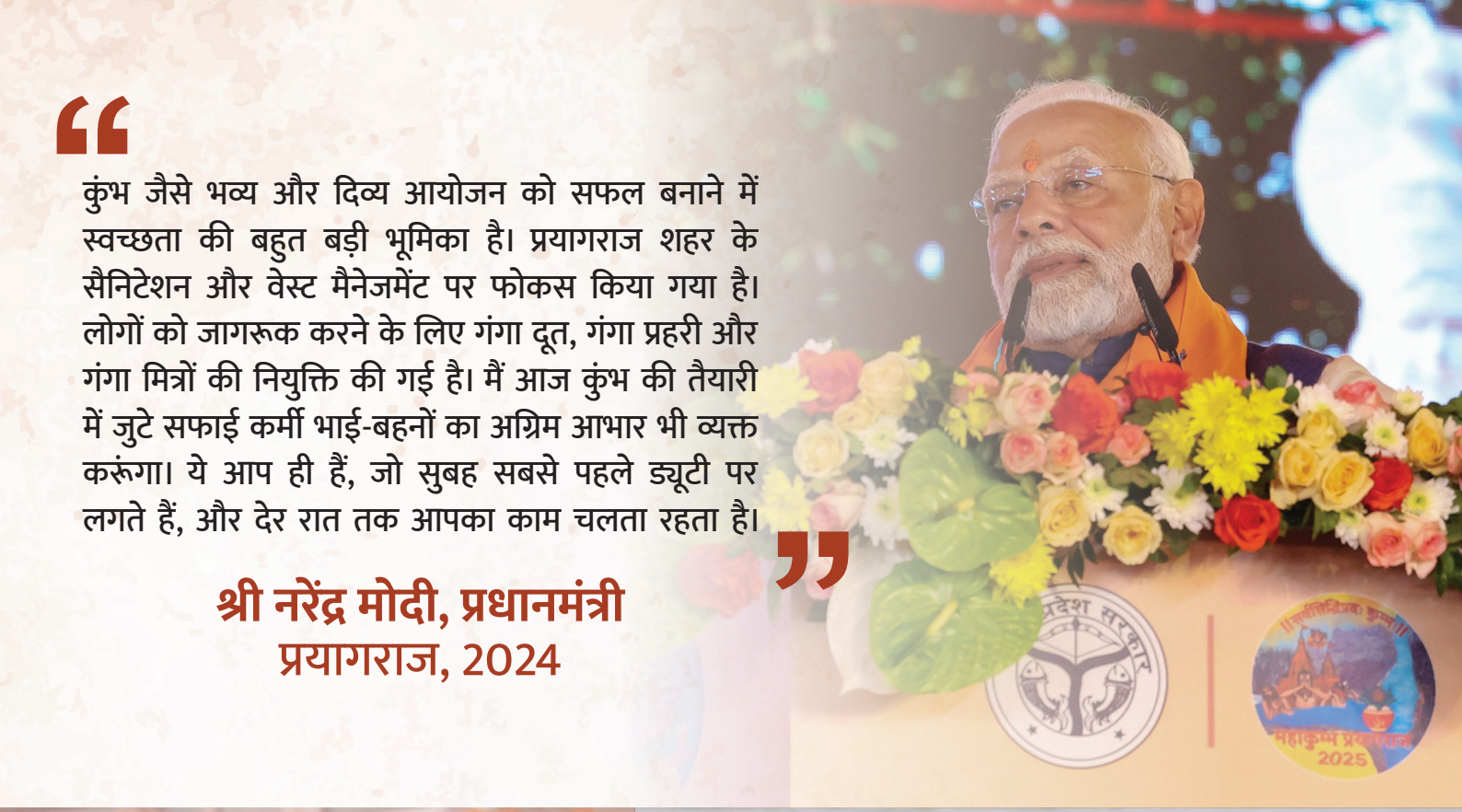

“कुंभ जैसे भव्य और दिव्य आयोजन को सफल बनाने में स्वच्छता की बहुत बड़ी भूमिका है। प्रयागराज शहर के सैनिटेशन और वेस्ट मैनेजमेंट पर फोकस किया गया है। लोगों को जागरूक करने के लिए गंगा दूत, गंगा प्रहरी और गंगा मित्रों की नियुक्ति की गई है। मैं आज कुंभ की तैयारी में जुटे सफाई कर्मी भाई-बहनों का अग्रिम आभार भी व्यक्त करूंगा। ये आप ही हैं, जो सुबह सबसे पहले ड्यूटी पर लगते हैं, और देर रात तक आपका काम चलता रहता है।”

श्री नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री
प्रयागराज, 2024

महाकुंभ 2025 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

महाकुंभ 2025 में उपराष्ट्रपति ने किया स्नान

उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़, अपनी पत्नी श्रीमती सुदेश धनखड़ के साथ, 1 फरवरी 2025 को प्रयागराज के महाकुम्भ क्षेत्र का दौरा किया और पवित्र स्नान किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे।

केंद्रीय मंत्री ने महाकुम्भ 2025 का दौरा किया

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने 19 जनवरी 2025 को महाकुम्भ के दौरान सफाईमित्रों को स्वच्छता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देते हुए सम्मानित किया। उन्होंने कहा दुनिया महाकुम्भ-2025 का भव्य आयोजन देख रही है, इसकी शुद्धता और स्वच्छता का श्रेय सफाई कर्मचारियों को जाता है, जो असल में स्वच्छता योद्धा हैं। केंद्रीय मंत्री ने प्रयागराज में स्थित SWM केंद्र का भी दौरा किया, जहाँ एआई उपकरण, वेब एप्लिकेशन और एकीकृत कमांड और कंट्रोल सेंटर स्वच्छ महाकुम्भ 2025 में वास्तविक समय में स्वच्छता की निगरानी और नागरिक प्रतिक्रिया प्रबंधन को बेहतर बना रहे हैं।

महाकुंभ 2025 में शाही स्नान के दौरान स्वच्छता को प्रमुख स्थान प्राप्त हुआ

मेले में पेशाबघरों की सफाई

श्रद्धालुओं के लिए मोबाइल शौचालय

सफाईमित्रों द्वारा प्रतिदिन कचरा प्रबंधन

सुरक्षित स्वच्छता के लिए लाइनर बैग

महाकुंभ 2025 के दौरान करोड़ों श्रद्धालु 'अमृत स्नान' के लिए संगम घाट पर एकत्रित हो रहे हैं, जहां सुरक्षित और स्वच्छ अनुभव के लिए व्यापक स्वच्छता प्रयास किए गए हैं। मकर संक्रांति स्नान के दौरान, 10,000 से अधिक सफाई कर्मियों ने मेला क्षेत्र में सफाई बनाए रखी। इन समर्पित स्वच्छता कर्मियों के साथ उत्साही स्वयंसेवकों ने भी काम किया, जिनमें अहमदाबाद के युवा शामिल थे, जिन्होंने खाने-पीने की दुकानों से कचरा उठाया और जिम्मेदारी से उसका निस्तारण भी किया। सफाई मित्र भी भंडारा स्थलों पर काम कर रहे हैं और कचरा संग्रहण के लिए लाइनर बैग्स का उपयोग किया जा रहा है, जिससे स्वच्छ भारत मिशन की कचरे से मुक्त शहरों के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत किया जा रहा है।

अमृत स्नान के बाद संगम घाट पर बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान शुरू किया गया, जिसमें सफाई कर्मियों ने तेजी से कचरा हटाया, जिसमें जल निकायों का मलबा भी शामिल था, और विशेष रूप से ज्यादा आवाजाही वाले क्षेत्रों में शौचालयों की स्वच्छता सुनिश्चित की। प्रयागराज नगर निगम ने 24 घंटे कचरा प्रबंधन के लिए विशेष टीमों को तैनात किया, जो दिन में तीन बार कचरा एकत्र करती थीं और रात भर की सफाई और स्नान के बाद की स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करती थीं ताकि पूरे क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखी जा सके।

'अमृत स्नान' के दौरान, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 88 होल्डिंग क्षेत्र स्थापित किए गए, जिनमें पीने का पानी, बिजली, शौचालय और अलाव जैसी सुविधाएं प्रदान की गईं। स्वच्छता के लिए एक मजबूत प्रोटोकॉल लागू किया गया, जिसमें सड़कों और शौचालयों की तीन बार मशीन से सफाई की गई, और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए 28 से 30 जनवरी तक सुलभ कॉम्प्लेक्स मुफ्त में उपलब्ध थे। आवासीय क्षेत्रों में डोर टू डोर कचरा संग्रहण सेवा संचालित की गई, जिसमें कचरे को अस्थायी रूप से निर्धारित प्लॉट्स में संग्रहित किया गया, जब तक कि उसे उचित तरीके से नष्ट नहीं किया जाता। तीन दिनों में अनुमानित 1,000 से 1,500 टन कचरा उत्पन्न होने के साथ, इस दौरान शहर में प्रति दिन लगभग 700 टन कचरा उत्पन्न होता है।

स्वच्छ महाकुंभ 2025 में पहली बार...

महाकुंभ 2025, जिसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा **'मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर'** के रूप में मान्यता प्राप्त है। महाकुंभ में स्वच्छ भारत मिशन, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के तहत उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से स्वच्छता, शून्य अपशिष्ट मॉडल और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए वैश्विक मानकों की स्थापना कर रहा है, जिसका लाभ करोड़ों श्रद्धालुओं तक पहुंच रहा है। यह मिशन पिछले कई महीनों से मेला क्षेत्र को स्वच्छ, कचरा मुक्त और प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए बेहद सक्रियता के साथ काम कर रहा है, जो नवीनतम प्रौद्योगिकी से लैस है। अब तक 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालु महाकुंभ में स्नान कर चुके हैं। महाकुंभ पहली बार अनूठी और अभूतपूर्व प्रयासों की एक मिसाल बनकर उभरा है।

स्वच्छता सभी के लिए

मेला क्षेत्र में 1.45 लाख सामुदायिक और सार्वजनिक दोनों तरह के शौचालय - लगाए गए हैं, जिससे एक मजबूत कचरा प्रबंधन प्रणाली स्थापित की गई है। यह सुनिश्चित करता है कि इस आयोजन में आने वाले हर व्यक्ति की स्वच्छता की जरूरतें पूरी हों।

फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट्स

कचरा प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, महाकुंभ में 150 KLD की संयुक्त क्षमता वाले दो उन्नत फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट्स (FSTPs) स्थापित किए गए हैं, साथ ही 10 कार्यात्मक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स (STPs) भी हैं, जो पर्यावरणीय मानकों को पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं।

मजबूत कचरा प्रबंधन

25,000 रणनीतिक रूप से लगाए गए डस्टबिन और 28.5 मिलियन लाइनर बैग्स के साथ, कचरा एकत्रण सुव्यवस्थित किया गया है, जबकि 120 टिपर्स, होपर्स और 40 रिफ्यूज कंपैक्टर्स का एक बेड़ा कुशल परिवहन और निपटान सुनिश्चित करता है।

एकीकृत कमांड और कंट्रोल सेंटर

पूरे मेला क्षेत्र में स्वच्छता प्रबंधन की रियल टाइम मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है, साथ ही क्यूआर कोड के माध्यम से अतिरिक्त निरीक्षण भी किया जा रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करते हुए, एक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियंत्रण कक्ष स्वच्छता की निगरानी की सुविधा प्रदान किया जा रहा है। हैंडहेल्ड उपकरणों के माध्यम से उपलब्ध वेब-बेस्ड एप्लिकेशन को निर्बाध ट्रैकिंग के लिए विकसित किया गया है। इसके अतिरिक्त, एकीकृत कमांड और कंट्रोल सेंटर (ICCC) का उपयोग निगरानी के लिए किया जा रहा है। यह नागरिकों की प्रतिक्रिया और शिकायतों के समाधान को भी प्रबंधित करने में मदद कर रहा है।

हाइब्रिड ग्रैन्युलर सीक्वेंसिंग बैच रिएक्टर

महाकुंभ 2025 की एक प्रमुख और अभिनव तकनीक है हाइब्रिड ग्रैन्युलर सीक्वेंसिंग बैच रिएक्टर (HGSBR) जिसकी शुरुआत ISRO और BARC के सहयोग से की गई है। यह नवाचार अपशिष्ट उपचार और जल प्रबंधन को विशेष रूप से सुधारने का कार्य करता है।

स्वच्छता वॉरियर्स

महाकुंभ में स्वच्छता अभियान ऐतिहासिक है, जिसके तहत 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालु लाभान्वित हो रहे हैं। 15,000 सफाई कर्मियों और 2,500 गंगा सेवा दूतों के साथ, मेला क्षेत्र में सफाई को चौबीसों घंटे बनाए रखा जा रहा है। सरकार ने इन स्वच्छता कर्मियों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए एक स्वच्छता कॉलोनी, बुनियादी सुविधाएं और उनके बच्चों की शिक्षा के लिए विशेष प्रावधान किए हैं। स्वच्छ कुंभ कोष के माध्यम से चिकित्सा और जीवन बीमा, साथ ही अन्य लाभ भी प्रदान किए जा रहे हैं।

महाकुंभ में सर्कुलर इकोनॉमी

पहली बार, महाकुंभ ने वेस्ट-टू-वंडर प्रोजेक्ट्स के माध्यम से सर्कुलर इकोनॉमी को अपनाया है, जिसमें कचरे को कलात्मक इंस्टालेशन्स में बदला जा रहा है। प्रमुख इंस्टॉलेशंस में "वेस्ट टू वंडर" शिवालय पार्क शामिल है, जहां 12 ज्योतिर्लिंगों से प्रेरित मूर्तियां रिसाइकल वस्तुओं से बनाई गई हैं, जो रचनात्मकता और सस्टेनेबिलिटी का प्रदर्शन करती हैं।

प्लास्टिक- मुक्त स्वच्छ महाकुंभ

प्लास्टिक-मुक्त कुंभ के लिए किए जा रहे प्रयास शानदार सफलता प्राप्त कर रहे हैं। एक अद्वितीय प्रयास के तहत, सिंगल यूज प्लास्टिक को कम करने के लिए 10 लाख इको-फ्रेंडली दोना-पत्तल (पारंपरिक पत्तों की प्लेटें) व्यापारियों और श्रद्धालुओं के बीच मेला शुरु होने से पहले वितरित की गईं, जो सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देने वाले विकल्पों को प्रोत्साहित करती हैं। महाकुंभ में, प्लास्टिक उन्मूलन महाभियान 3.0 और आरंभ 5.0 अभियानों के माध्यम से सिंगल यूज प्लास्टिक को समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है, और इको-फ्रेंडली विकल्पों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, महाकुंभ 2025 में सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए 'एक थाली, एक थैला' पहल शुरू की गई, जिसमें कपड़े के बैग, स्टील की प्लेटें और गिलास वितरित किए गए, जो इको-फ्रेंडली विकल्प के रूप में काम करते हैं। यह पहल ग्रीन कुंभ की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

महाकुंभ 2025 में अद्वितीय स्वच्छता पहल

महाकुंभ 2025 एक परिवर्तनकारी आंदोलन है जो सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देने में महिलाओं की नेतृत्वकारी भूमिका को उजागर करता है। ये महिला उद्यमी इको-फ्रेंडली पहल में सबसे अग्रिम पंक्ति में हैं और इस आयोजन के लिए शून्य-अपशिष्ट दृष्टिकोण को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। नवोन्मेषी समाधान, सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देने वाले उत्पादों और प्रभावशाली परियोजनाओं के माध्यम से, वे पर्यावरणीय जागरूकता के लिए एक नया मानक स्थापित करने में मदद कर रही हैं, साथ ही स्वच्छ भारत के लिए समुदायों को एकजुट कर रही हैं। इस उत्सव में श्रद्धालुओं के साथ समर्पित सफाईमित्रों और जमीन पर काम करने वाले श्रमिकों, महिलाओं के नेतृत्व में कार्य कर रही स्वयं सहायता समूह (SHGs) इस महत्वपूर्ण आयोजन में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं। उनके नेतृत्व, सशक्तिकरण और सामुदायिक भागीदारी की प्रेरणादायक कहानियां सहयोग और उद्यमिता की शक्ति का प्रमाण हैं।

महाकुंभ में शून्य-अपशिष्ट दृष्टिकोण को अपनाया

60 करोड़ इको-फ्रेंडली पत्तल, प्राकृतिक दोना-पत्तल, कुल्हड़, जूट बैग और कपड़े के बैग 300 स्थानों पर मेला और शहरी क्षेत्रों में उत्पादित कर बेचे जा रहे हैं। ये सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देने वाले उत्पाद उत्तर प्रदेश के 28 जिलों की महिलाओं द्वारा बनाए गए हैं, साथ ही बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड के कारीगरों द्वारा भी बनाए जा रहे हैं, जो सिंगल यूज प्लास्टिक के विकल्प के रूप में इको-फ्रेंडली उत्पाद प्रदान कर रहे हैं।

कानपुर ने मेला क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने के लिए 10,000 स्टील की प्लेटें, कपड़े के बैग, 12 टिपर वैन और 36 सफाई मित्रों का योगदान दिया। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास और स्वयंसेवकों द्वारा चलाई गई 'एक थाली, एक थैला' पहल, में 15 लाख स्टील की प्लेटें और 20 लाख कपड़े के बैग वितरित किए, जिससे इको-फ्रेंडली प्रयासों को बढ़ावा मिला।

कानपुर ने महाकुंभ 2025 में ग्रीन ड्राइव का नेतृत्व किया

कचरा स्थल हुआ घने जंगल में तब्दील

बसवार में स्थित विशाल बंजर ज़मीन एक समय में शहर का सबसे बड़ा गार्बेज डंपिंग यार्ड हुआ करता था, वह अब बदलाव और उम्मीद की कहानी बयां करता है। मियावाकी परियोजना के तहत, इस प्रदूषित स्थल को सावधानीपूर्वक साफ किया गया और पुनर्जीवित किया गया है। 9,000 वर्ग मीटर से अधिक जमीन को एक समृद्ध हरे भरे स्थान में बदला गया है, जहां 27 विभिन्न प्रजातियों के 27,000 पौधे उगाए गए हैं।

महाकुंभ 2025 में अद्वितीय स्वच्छता पहल

महाकुंभ में सफाईमित्रों को सहायक माहौल प्रदान किया जा रहा है, जिसके लाभ उनके परिवारों तक भी पहुंच रहे हैं। विद्या कुंभ सफाईमित्रों के बच्चों के लिए सीखने और उनके विकास की नींव रख रहा है, और एक परिवर्तनकारी शैक्षिक अनुभव प्रदान कर रहा है। चार महीने तक चलने वाले इस विद्यालय में आवश्यक अध्ययन सामग्री, जीवन-कौशल प्रशिक्षण और एक सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है, जो अकादमिक और व्यक्तिगत विकास दोनों को पोषित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे भविष्य के लिए एक समग्र नींव सुनिश्चित की जा सके।

सफाईमित्रों के परिवारों को सशक्त बनाने के लिए पहल

मेला क्षेत्र में स्वच्छता बना आकर्षण का केंद्र

मेला क्षेत्र में प्रेरणादायक पहल देखने को मिल रही हैं— जैसे 'दुकान जी', स्वच्छता दूत, सफाईमित्रों के पैर छूते श्रद्धालु, स्वच्छता के प्रति समर्पित 55,000 वर्ग फुट की रंगोली, और विदेशी श्रद्धालु का श्रमदान करना आदि। वहीं स्वच्छता दूतों द्वारा स्वच्छता का संदेश फैलाया जा रहा है, जो स्वच्छता के लिए भिक्षाटन कर रहे हैं, इसके अलावा सफाईमित्रों के लिए सामूहिक भंडारे आयोजित किए जा रहे हैं।

स्वच्छता म्यूजिक बैंड ने प्रयागराज में आयोजित ग्रीन महाकुंभ में परफॉर्मेंस दिया, जिसमें उन्होंने अपनी धुनों के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाई, वहीं 'स्वच्छता रथ यात्रा' शहर को लाखों आगंतुकों के लिए स्वच्छ बनाए रखने में मदद कर रही है। इसके अतिरिक्त, रेडियो सिटी के साथ साझेदारी में 'जागरूकता वाहन यात्रा' स्वच्छता संदेश को शहर के हर कोने तक पहुंचा रही है। घर-घर जागरूकता फैलाने के लिए अभिनव पहल के रूप में, घर में प्रयोग होने वाले गैस सिलेंडरों पर स्वच्छता की जानकारी देने वाले स्टिकर लगाए गए हैं।

ग्रीन महाकुंभ के लिए जागरूकता अभियान

प्राइवेट सेक्टर ने स्वच्छ महाकुंभ पहल को दी गति

आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, उत्तर प्रदेश सरकार और प्राइवेट सेक्टर के बीच हुई साझेदारी, स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छ महाकुंभ पहल को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। निजी साझेदारों की विशेषज्ञता, संसाधनों और नवाचारों का लाभ उठाकर, महाकुंभ मेला में स्वच्छता के लिए एक अधिक प्रभावी और स्थायी दृष्टिकोण देखा जा रहा है। निजी क्षेत्र की भागीदारी से उन्नत कचरा प्रबंधन समाधान, इको-फ्रेंडली तकनीक और लोगों में जागरूकता बढ़ी है, जिससे यह आयोजन न केवल और भी स्वच्छ बन रहा है, बल्कि बड़े पैमाने पर कचरे की कमी और पर्यावरणीय जागरूकता का आदर्श भी बन रहा है।

कोका-कोला के साथ 'मैदान साफ' पहल

"मैदान साफ", कोका-कोला इंडिया और स्थानीय अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण पहल है, जो महाकुंभ 2025 में सर्कुलर इकॉनमी और स्वच्छता को बढ़ावा दे रही है। 21,000 से अधिक रीसाइकल्ड प्लास्टिक जैकेट्स सफाईमित्रों को दी गई, 10,000 लाइफ जैकेट्स कुंभ नाविकों को दी गई, और 1,500 जैकेट्स एसएचजी सफाई कर्मियों को दी गई। महिलाओं की सुरक्षा के लिए, 12 किलोमीटर की दूरी में रीसाइकल्ड प्लास्टिक से बने 1,000 चेंजिंग रूम बनाए गए। इस पहल ने प्रमुख स्थानों पर रिवर्स वेंडिंग मशीनें भी इंस्टॉल किए और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए रेडियो सिटी के साथ 'जागरूकता वाहन यात्रा' की शुरुआत की।

कुंभ में स्वच्छता को बढ़ावा देता Dettol

डेटॉल, आईटीसी और डाबर जैसे प्रमुख ब्रांड महाकुंभ में बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान चला रहे हैं। डेटॉल का 'बनेगा स्वस्थ भारत' कार्यक्रम, रेकिट के साथ साझेदारी में, 15,000 सफाई कर्मियों को प्रशिक्षित कर चुका है और स्वच्छता संबंधी आवश्यक वस्तुएं प्रदान की हैं। 25 से अधिक सेक्टरों में स्वयंसेवक स्वच्छता सुनिश्चित कर रहे हैं, वहीं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से हाथ धोने, स्वच्छता और पर्यावरण के अनुकूल जीवन जीने के प्रति जागरूकता भी फैला रहे हैं।

डाबर दंत स्नान जोन

डाबर ने महाकुंभ मेला क्षेत्र में 'दंत स्नान' जोन स्थापित किए हैं, जो श्रद्धालुओं में ओरल हाईजीन और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए हैं। ये विशेष जोन दांतों की देखभाल के लिए सुविधाओं का प्रावधान करते हैं और डाबर के मौखिक देखभाल उत्पादों के नमूने प्रदान करते हैं, जिससे तीर्थयात्रियों को उनकी मौखिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने और यात्रा के दौरान स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया जाता है।

अमेज़न ने पैकेजिंग बॉक्सों को किया रीसाईकल

महाकुंभ में अमेज़न ने अपनी प्रसिद्ध डिलीवरी बॉक्सों को पोर्टेबल बिस्तरों में बदल दिया, जो न केवल श्रद्धालुओं को विश्राम करने के लिए एक स्थान प्रदान कर रहे हैं, बल्कि यह "रीड्यूस रीयूज रीसाइकल" के सिद्धांतों को भी अपना रहे हैं।

सस्टेनेबल सॉल्युशन देने वाले ब्रांड

प्रमुख हॉस्पिटैलिटी कंपनियां जैसे आरआर हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड मेला क्षेत्र में खाने और पीने की सेवाओं को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे इवेंट के दौरान कटलरी, पैकेजिंग और खाद्य आपूर्ति के लिए इको-फ्रेंडली विकल्प अपनाकर स्वच्छता को बढ़ावा दे रही हैं, जिससे स्वच्छ महाकुंभ के सस्टेनेबल लक्ष्यों को सुदृढ़ किया जा रहा है।

प्लास्टिक फ्री महाकुंभ

आईटीसी का 'मिशन सुनहरा कल' पहल महाकुंभ में प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के लिए कचरे का पृथक्करण और इको-फ्रेंडली विकल्पों को बढ़ावा दे रही है। श्रद्धालुओं ने प्लास्टिक बैग्स को कपड़े के थैलों से बदला, दुकानदारों को नीले-हरे डस्टबिन दिए गए, और संगम घाटों से प्लास्टिक कचरा प्रतिदिन एकत्र किया गया।

MoHUA ने महाकुंभ 2025 पर अध्ययन के लिए वैश्विक संस्थाओं के साथ की साझेदारी

SBM के परिवर्तनकारी प्रभाव के एक अद्वितीय दशक के बाद, महाकुंभ 2025 देश की प्रगति का प्रतीक बनकर एक स्वच्छ और अधिक सस्टेनेबल पर्यावरण को बढ़ावा देने में योगदान दे रहा है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को पूरी तरह से दस्तावेजीकृत और विश्लेषित करने के लिए, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने विश्व-प्रसिद्ध संस्थाओं के साथ साझेदारी की है, जिनमें **हार्वर्ड बिजनेस स्कूल, इंस्टीट्यूट फॉर कम्पीटिटिवनेस (IFC), स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (ISB),** और **IIM-इंदौर** शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, इप्सोस रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड एक स्वतंत्र सर्वेक्षण कर रहा है, जो स्वच्छता, कचरा प्रबंधन और शहरी सेवा वितरण पर डेटा एकत्र करेगा।

इस साझेदारी का उद्देश्य यह है कि स्वच्छता और स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रशासन के नवाचार उपायों, स्वच्छता रणनीतियों और प्रतिबद्धता को उजागर किया जा सके। सर्वेक्षण के हिस्से के रूप में, टीमें घटना के दौरान स्वच्छता और ठोस कचरा संरचना की निगरानी और दस्तावेज़ीकरण जैसे विभिन्न गतिविधियाँ कर रही हैं। साथ ही, सेवा प्रदाताओं और अन्य हितधारकों के साथ बातचीत भी की जा रही है ताकि नागरिकों और महा कुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं से अनुभव प्राप्त किया जा सके और उनकी प्रतिक्रियाएँ एकत्र की जा सकें।

NIUA, IFC, Gates Foundation और **Microsave** के सहयोग से, **MoHUA** महाकुंभ 2025 के दौरान स्ट्रीट वेंडर्स पर आर्थिक, प्रशिक्षण और एकीकरण प्रभावों पर अध्ययन कर रहा है। ये अध्ययन विक्रेता की आय, बिक्री रुझान, प्रतिस्पर्धा, और प्रस्तुत माल की विविधता का मूल्यांकन करेंगे। इसके अलावा, स्वच्छता, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण और कचरा निपटान जैसी प्रथाओं पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा। फोटोजर्नल के माध्यम से विक्रेता के अनुभवों को दस्तावेज़ित किया जाएगा, जबकि एक प्रशासनिक अध्ययन शासन ढांचे का मूल्यांकन करेगा। इन निष्कर्षों का उद्देश्य विक्रेता की भागीदारी, सेवा की गुणवत्ता और सस्टेनेबल आजीविका में सुधार करना है।

एकता का महाकुंभ

गृह मंत्री, श्री अमित शाह

श्रीमती सुधा मूर्ती

स्टीव जॉब्स की पत्नी श्रीमती लॉरेन पॉवेल

श्री श्री रविशंकर

श्री गौतम अडानी

स्वामी चिदानंद सरस्वती

भूटान के राजा, जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक

उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ एवं योग गुरु बाबा रामदेव

क्रिस मार्टिन एवं डकोटा जॉनसन

एकता का महाकुंभ

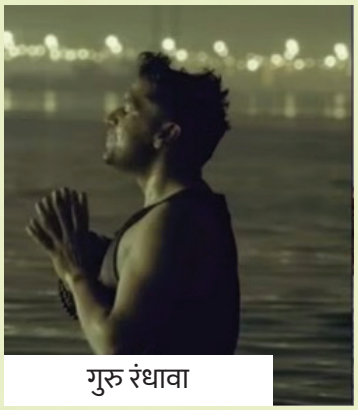
गुरु रंधावा

सुनील ग्रोवर

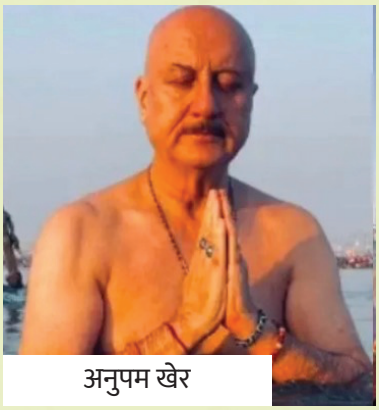
अनुपम खेर

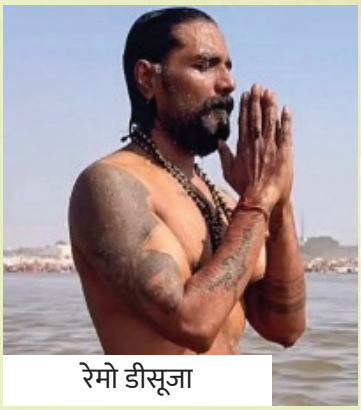
रेमो डीसूज़ा

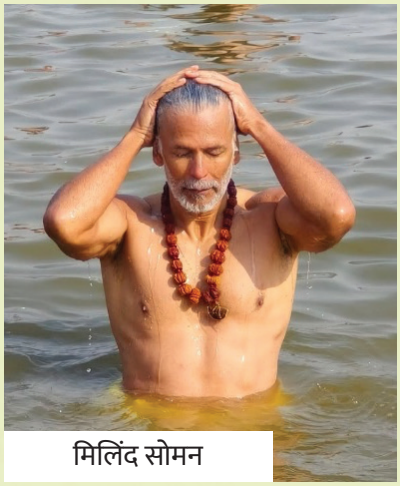
मिलिंद सोमन

ओलंपिक मेडलिस्ट मैरीकॉम

रेसलर खली

शंकर महादेवन

हेमा मालिनी

साइना नेहवाल

भाग्य श्री

अदा शर्मा

कबीर खान

बजट 2025-26

Growth Hubs के रूप में शहर

- 1 लाख करोड़ रुपये के साथ अर्बन चैलेंज फंड की स्थापना की जाएगी
- यह 'Growth Hubs के रूप में शहर' एवं 'शहरों का रचनात्मक पुनर्विकास और जल एवं स्वच्छता' के प्रस्तावों को लागू करने में सहायता करेगा।
- वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 10,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया जाएगा।

इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश

- प्रत्येक इन्फ्रास्ट्रक्चर से संबंधित मंत्रालय को पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का 3 साल का रूपरेखा तैयार करना होगा।
- राज्यों को पूंजीगत खर्च और सुधारों के लिए प्रोत्साहन के रूप में ₹1.5 लाख करोड़ का 50 वर्षों के लिए ब्याज मुक्त ऋण आवंटित किया जाएगा।
- 2025-30 के लिए दूसरा एसेट मोनेटाइजेशन योजना घोषित की जाएगी, ताकि ₹10 लाख करोड़ की पूंजी को नए परियोजनाओं में पुनः निवेश किया जा सके।

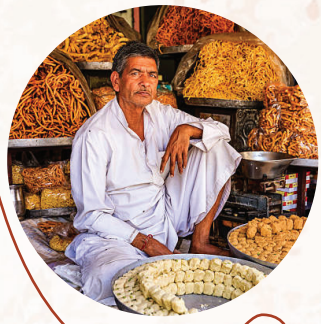

स्ट्रीट वेंडर्स, ऑनलाइन और अर्बन वर्कर्स में निवेश

- ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के गिग वर्कर्स को पहचान पत्र प्रदान किए जाएंगे, साथ ही उन्हें ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत स्वास्थ्य देखभाल भी उपलब्ध कराई जाएगी; इससे लगभग 1 करोड़ गिग वर्कर्स को मदद मिलने की संभावना है।
- अर्बन वर्कर्स के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए एक योजना जो शहरी गरीबों और संवेदनशील समूहों को उनके आय में सुधार, सतत आजीविका प्राप्त करने और जीवन स्तर को बेहतर बनाने में मदद करेगी।
- प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना को पुनः संरचित किया जाएगा, जिसमें बैंकों से बढ़ी हुई ऋण राशि, ₹30,000 की सीमा वाली UPI-लिंक्ड क्रेडिट कार्ड्स, और कैपेसिटी बिल्डिंग सपोर्ट शामिल होंगे।

स्टार्टअप्स और महिला उद्यमिता को सशक्त बनाना

स्टार्टअप्स के लिए नए फंड ऑफ फंड्स स्थापित किया जाएगा

- सरकार की मौजूदा ₹10,000 करोड़ की योगदान के अतिरिक्त, ₹10,000 करोड़ का एक और नया योगदान किया जाएगा।

नई योजना के तहत 5 लाख महिलाओं, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के पहली बार उद्यम करने वाले व्यक्तियों को समर्थन दिया जाएगा।

- अगले 5 वर्षों के दौरान ₹2 करोड़ तक के टर्म लोन प्रदान किए जाएंगे।
- उद्यमिता और प्रबंधकीय कौशल के लिए ऑनलाइन क्षमता निर्माण प्रदान किया जाएगा।

पोस्ट-बजट समीक्षा बैठक

1 फरवरी 2025 को, आवासन एवं शहरी कार्य तथा बिजली मंत्रालयों के प्रभारी, केंद्रीय मंत्री, श्री मनोहर लाल और राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में, उन्होंने बजट घोषणाओं पर चर्चा की और आगामी दिनों के लिए मंत्रालय की कार्य योजना की रूपरेखा तैयार की।

नई स्वच्छ सर्वेक्षण टूलकिट

New SWACHH SURVEKSHAN TOOLKIT

वर्ष 2024 के लिए एक विशेष श्रेणी 'सुपर स्वच्छ लीग' शुरू की गई है, जिसमें स्वच्छता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शहरों को शामिल किया गया है। इस लीग में 12 शहर शामिल हैं, जो पिछले तीन वर्षों (2021-2023) में कम से कम दो वर्षों तक शीर्ष 3 स्थानों पर रहे हैं। आगे बढ़ते हुए, प्रत्येक जनसंख्या श्रेणी में शीर्ष 3 रैंकिंग वाले शहर अगले वर्षों के लिए इस लीग में शामिल होंगे। इस लीग में शामिल शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) का मूल्यांकन अतिरिक्त आकांक्षात्मक संकेतकों के आधार पर किया जाएगा, और उन्हें अपना स्थान बनाए रखने के लिए 85% या उससे अधिक का स्कोर बनाए रखना होगा।

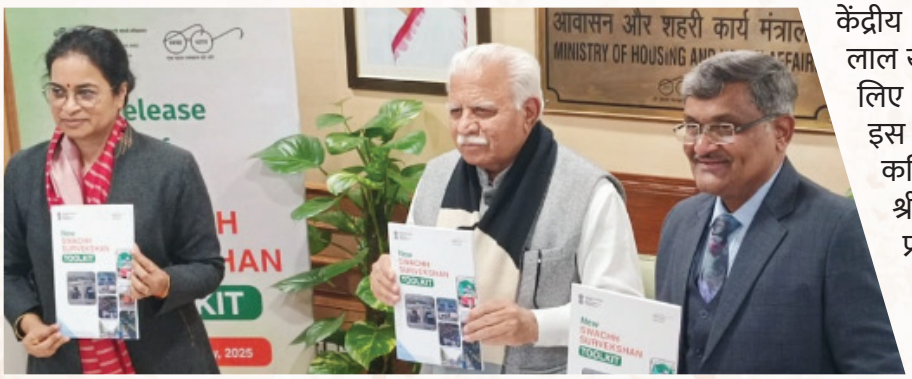

केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने 17 जनवरी 2025 को 9वें संस्करण के लिए नई स्वच्छ सर्वेक्षण (SS) टूलकिट लॉन्च की। इस अवसर पर मंत्रालय के सचिव श्री एस कटिकिथला, संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक श्रीमती रूपा मिश्रा, अतिरिक्त प्रमुख सचिव, प्रधान सचिव, शहरी विकास, राज्य मिशन निदेशक, नगर निगम आयुक्त, विभिन्न राज्यों और शहरी स्थानीय निकायों के प्रतिनिधि और मंत्रालय के अधिकारी उपस्थित थे।

स्वच्छ सर्वेक्षण के नए टूलकिट के शुभारंभ के अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा, "स्वच्छ सर्वेक्षण में शहरों के असाधारण प्रदर्शन को मान्यता देने के लिए, हम 'सुपर स्वच्छ लीग' शुरू कर रहे हैं, जो सबसे स्वच्छ शहरों के बीच एक प्रतियोगिता है। यह स्वच्छता के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है और हमारे निरंतर हो रहे नवाचार स्वच्छ भारत मिशन को 10 साल बाद भी वैश्विक स्तर पर सफल बनाए रखता है। हमारा ध्यान साल दर साल गुणवत्ता में सुधार लाने पर है, सरल मूल्यांकन मापदंड यूएलबी की ओर से स्पष्ट डेटा प्राप्त करना सुनिश्चित करेगा और पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखेगा।"

नई स्वच्छ सर्वेक्षण टूलकिट

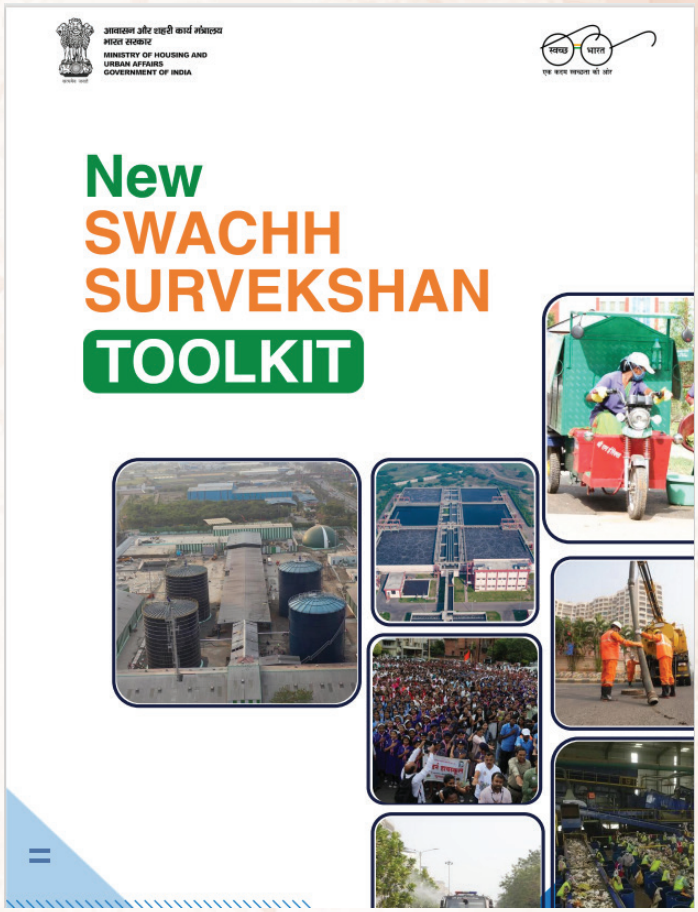

नए ढांचे में तैयार की गई 'नई स्वच्छ सर्वेक्षण (SS) टूलकिट' में सभी संकेतकों को 10 श्रेणियों में व्यवस्थित किया गया है, जिसमें शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) द्वारा बेहतर तरीके से समझने के लिए मूल्यांकन के मापदंडों को सरल बनाया गया है। ये हैं

1. दृश्यमान स्वच्छता
2. अपशिष्ट का पृथक्करण, संग्रहण और परिवहन
3. ठोस अपशिष्ट प्रबंधन
4. स्वच्छता तक नागरिकों की पहुंच
5. प्रयुक्त जल प्रबंधन
6. डिस्लजिंग सेवाओं का मशीनीकरण
7. स्वच्छता को बढ़ावा देना
8. पारिस्थितिकी तंत्र और संस्थागत मापदंडों को मजबूत करना
9. स्वच्छता कर्मचारियों का समग्र कल्याण
10. नागरिक प्रतिक्रिया और शिकायत निवारण

76वें गणतंत्र दिवस पर राज्य स्तरीय समारोह

पटना द्वारा 'कबाड़ से कमाल' की झांकी पेश की गई, जिसमें गुलाबी रंग का शौचालय और 'लू कैफ़े' दिखाया गया, जो सभी के लिए स्वच्छता की प्रमुखता को दर्शाता है।

उत्तर प्रदेश ने स्वच्छता, प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली और हरित भविष्य को बढ़ावा देने की दिशा में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 'स्वच्छ रथ' झांकी का प्रदर्शन किया।

राजस्थान की ओर से राजसमंद की झांकी में मैनहोल की मशीनीकृत सफाई को प्रदर्शित किया गया, जबकि दौसा की झांकी में अपशिष्ट पृथक्करण के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में श्री विजयपुरम द्वारा बनाई गई स्वच्छता की झांकी में गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग करने के महत्व को प्रमुखता से दर्शाया गया।

76वें गणतंत्र दिवस पर राज्य स्तरीय समारोह

ग्रेटर हैदराबाद

ग्रेटर हैदराबाद के सिकंदराबाद में, 'वेस्ट टू आर्ट' कार्यक्रम के साथ गणतंत्र दिवस मनाया गया, जिसमें कचरे में कमी लाने के तरीके और जिम्मेदारी से निपटान करने के बारे में जागरूकता बढ़ाई गई।

पंजाब

खरड़ नगर पालिका की टीम ने गणतंत्र दिवस पर मोहाली में हरित-पंजाब सिटी कम्पोस्ट प्रदर्शनी का आयोजन किया, जिसमें 10 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से रसोई के कचरे से बनी कम्पोस्ट बेची गई तथा कम्पोस्ट बनाने के लाभों को बढ़ावा दिया गया।

जयपुर

जयपुर की टीम स्वच्छ ने गणतंत्र दिवस पर ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल संग्रहालय में 'रिड्यूस, रीयूज, रीसाइकिल' विषय पर विद्यार्थियों की चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया।

राष्ट्रीय युवा दिवस

पिंपरी चिंचवाड़

पीसीएमसी ने स्कूलों में घरेलू खाद बनाने के बारे में जागरूकता अभियान चलाया और राष्ट्रीय युवा दिवस पर छात्रों और नागरिकों को शामिल करते हुए वाकड गौठान के म्हातोबा मंदिर में घाट सफाई अभियान चलाया।

दिल्ली

राष्ट्रीय युवा दिवस पर, एनडीएमसी ने 'व्हाई वेस्ट वेडनसडे' संगठन और NSS-CVS के साथ मिलकर इंडिया गेट और लोधी गार्डन में स्वच्छता अभियान एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया, जिसके बाद कचरे को अलग-अलग करने की प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए कपड़े के थैलों पर पेंटिंग का आयोजन किया गया।

मीरा भायंदर

मीरा भयंदर नगर निगम और एनएसएस के स्वयंसेवकों ने संयुक्त प्रयास से उत्तान बीच की सफाई की और 23 टन प्लास्टिक कचरा हटाया।

क्षमता निर्माण कार्यशाला

8 जनवरी 2025 को केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के अंतर्गत NIUA द्वारा 'परिवर्तन की क्षमता: सतत भविष्य का निर्माण' विषय पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में शहरी विकास की पुनर्कल्पना, शहर के विस्तार का प्रबंधन और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार शहरों के निर्माण के लिए आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस (AI) का लाभ उठाने की ओर ध्यान केंद्रित किया गया।

आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने NIUA द्वारा 'परिवर्तन की क्षमता: सतत भविष्य का निर्माण' विषय पर आयोजित सम्मेलन में समावेशी शहरों को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

15 जनवरी 2025 को केन्या के वरिष्ठ सिविल सर्वेंट्स के लिए 'नेतृत्व और राष्ट्रीय परिवर्तन' पर विशेष क्षमता निर्माण कार्यक्रम में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की संयुक्त सचिव और मिशन निदेशक श्रीमती रूपा मिश्रा द्वारा केन्याई प्रतिनिधिमंडल के साथ शहरी शासन में भारत की सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया गया। इस दौरान दिल्ली मेट्रो, एकीकृत कमांड कंट्रोल सेंटर, शहरों की स्टार रेटिंग, स्वच्छ सर्वेक्षण, झुग्गी बस्तियों के पुनर्विकास आदि क्षेत्रों में प्रतिनिधिमंडल ने रुचि दिखाई।

केंद्रीय मंत्री ने किया शहरी विकास पर राज्यों के साथ चर्चा का नेतृत्व

विभिन्न संगठनात्मक मामलों पर विस्तृत चर्चा करने के लिए केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने 2 जनवरी 2025 को नई दिल्ली में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी से अपने आवास पर मुलाकात की।

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने 8 जनवरी 2025 को अरुणाचल प्रदेश (पूर्व) लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री तापिर गाओ से मुलाकात की और राज्य में ऊर्जा एवं शहरी आवास से संबंधित विभिन्न मामलों पर चर्चा की।

11 जनवरी 2025 को केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर राजस्थान में निर्बाध और पर्यावरण के अनुकूल सार्वजनिक शहरी परिवहन, राज्य की ट्रांसमिशन क्षमता को मजबूत करने सहित कई प्रमुख विषयों पर गहन चर्चा की।

15 जनवरी 2025 को केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने नई दिल्ली में मणिपुर के राज्यपाल श्री अजय कुमार भल्ला से मुलाकात की।

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने 20 जनवरी 2025 को नई दिल्ली में हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय के साथ शिष्टाचार भेंट की।

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने 22 जनवरी 2025 को दिल्ली में मिजोरम के राज्यपाल और पूर्व सेना प्रमुख जनरल वीके सिंह से मुलाकात कर सतत शहरी विकास और बिजली बुनियादी ढांचे पर चर्चा की।

शहरी विकास पर राज्य मंत्री ने की राज्यों के साथ महत्वपूर्ण चर्चा

6 जनवरी 2025 को आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साई से रायपुर में उनके आवास पर मुलाकात की और शहरी विकास के प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की

10 जनवरी 2025 को अपनी असम यात्रा के दौरान आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से शिष्टाचार भेंट की और राज्य के विभिन्न मामलों पर चर्चा की।

आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने राज्य की प्रगति के लिए साझा प्रतिबद्धता को मजबूती देने के लिए 21 जनवरी 2025 को छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रामेन डेका से मुलाकात की।

फील्ड विजिट

10 जनवरी 2025 को केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने करनाल में ₹59 करोड़ की लागत की तीन प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जिनमें एक 'अत्याधुनिक' इनडोर खेल परिसर, एक क्रिकेट स्टेडियम और एक महिला आश्रम शामिल हैं।

फील्ड विजिट

असम

10 जनवरी 2025 को असम की यात्रा के दौरान आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने कनिडोल अमृत सरोवर स्थल का दौरा किया, जिसमें जल संरक्षण के प्रभावशाली प्रयासों को प्रदर्शित किया गया। ऐसे प्रयास जिनके माध्यम से जीवनशैली में बदलाव आ रहे हैं और भविष्य के लिए जल सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा रही है। खारुपेटिया में उन्होंने स्वयं सहायता समूहों के साथ बातचीत की और सामुदायिक विकास सहित आत्मनिर्भरता में उनकी भूमिका की प्रशंसा की। इसके बाद राज्य मंत्री ने मंगलदई में DAY-NULM पहल से लाभान्वित होने वाले स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों से भी मुलाकात की। असम का दौरा करते हुए उन्होंने मंगलदई में लेगेसी वेस्ट डंपसाइट का भी दौरा किया, जहां साइट की चुनौतियों से निपटने के लिए मंगलदई नगर निगम बोर्ड के अधिकारियों के साथ उपयोगी चर्चा हुई।

20 जनवरी 2025 को आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने पटना में स्वच्छ भारत मिशन और आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की अन्य पहलों पर बिहार की प्रगति का आकलन करने के लिए राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें चुनौतियों और समयसीमा पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया गया।

बिहार

फील्ड विजिट

11 जनवरी 2025 को इंदौर दौरे पर पहुंचीं आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक श्रीमती रूपा मिश्रा ने राजशाई (ढक्कनवाला कुवा) में प्रस्तावित जीरो वेस्ट जोन और अत्याधुनिक कचरा स्थानांतरण स्टेशन का दौरा किया, जिसमें मानवीय हस्तक्षेप के बिना कचरा स्थानांतरण का प्रदर्शन किया गया। उन्होंने इंदौर के समर्पित रियल हीरो सेल्फी पॉइंट पर सफाईमित्रों से भी बातचीत की।

20 जनवरी 2025 को स्वच्छ टीम ने भुवनेश्वर स्थित 64 एकड़ के भाऊसुनी डंपसाइट सुधार परियोजना की समीक्षा की, जिसे 36 महीनों में पूरा किया जाना है। साथ ही, भुवनेश्वर नगर निगम और ऑयल इंडिया लिमिटेड द्वारा ओडिशा के पहले 200 टीपीडी क्षमता वाले कंप्रेस्ड बायो-गैस प्लांट के लिए साइट का निरीक्षण भी किया।

SBM-U पहल को आगे बढ़ाने और प्रगति की समीक्षा करने के लिए आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक श्रीमती रूपा मिश्रा ने 21 जनवरी 2025 को सीडीएमए निदेशक और ग्रेटर हैदराबाद के आयुक्त के साथ चर्चा की। उन्होंने हैदराबाद के केबीआर पार्क लू कैफे का भी दौरा किया और नवोन्मेषक अभिषेक नाथ से भी बातचीत की।

जनवरी 2025 में आयोजित हैदराबाद के प्रतिष्ठित व्यापार मेले 'नुमाइश' में आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक श्रीमती रूपा मिश्रा ने कार्यक्रम में स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए सफाईमित्रों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कार्यक्रम में DAY-NULM के स्वयं सहायता समूहों के साथ भी बातचीत की।

ग्रेटर विशाखापत्तनम का दौरा करते समय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती रूपा मिश्रा ने 23 जनवरी 2024 को 33 एकड़ के VMRDA पार्क का दौरा किया, जिसमें प्रकृति के रास्ते, साइकिलिंग, नौका विहार, खेल क्षेत्र और एक इनडोर स्पोर्ट्स एरिना के साथ एक फूड कोर्ट भी स्थित है। इसके बाद संयुक्त सचिव ने हितधारकों के साथ बातचीत भी की।

स्वच्छता में अग्रणी युवा

नागपुर

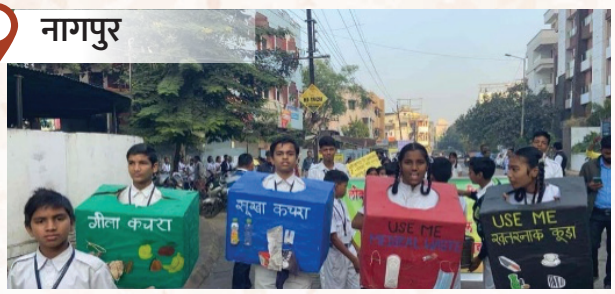

नागपुर के विद्यार्थियों ने स्वच्छता रैली का नेतृत्व किया, सिंगल यूज प्लास्टिक पर केंद्रित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया और नागरिकों को अपशिष्ट पृथक्करण के प्रति प्रेरित करने के लिए मानव श्रृंखला बनाई।

ग्वालियर

ग्वालियर में स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए छात्रों और नागरिकों के साथ 'स्वच्छता वॉकथॉन' का आयोजन किया गया।

स्वच्छता अभियान

ग्रेटर हैदराबाद

ग्रेटर हैदराबाद ने स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद की सरूरनगर झील पर एक विशाल स्वच्छता अभियान का आयोजन किया।

जम्मू

जम्मू में अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों को लक्षित कर कचरा प्रबंधन को बढ़ावा देते हुए पूरे शहर में स्वच्छता और जागरूकता अभियान चलाया गया।

जीरो वेस्ट इवेंट्स

जयपुर

ग्रेटर जयपुर ने जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2025 को ऑनसाइट पृथक्करण, संग्रह केंद्र, रीसाइक्लिंग, जागरूकता और वास्तविक समय पर निगरानी के साथ 'जीरो वेस्ट इवेंट' यानी शून्य अपशिष्ट कार्यक्रम के रूप में मनाया।

गुरुग्राम

गुरुग्राम के सीडी इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित 'जीरो वेस्ट कार्यक्रम' में 17 स्कूलों की भागीदारी के साथ 25,348 प्लास्टिक की वस्तुओं का पुनः उपयोग किया गया। इस दौरान एक नुक्कड़ नाटक और 'प्लास्टिक टू आर्ट' प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया।

वेस्ट टू आर्ट

बीकानेर

बीकानेर ने शहर के बाजार क्षेत्र में 'सखी महिला स्वच्छता गृह' नामक एक चलता-फिरता यानी मोबाइल पिंक टॉयलेट शुरू किया है।

केरल

केरल के गुरुवायूर में प्लास्टिक के कचरे को स्वच्छ टीम द्वारा अद्भुत कलाकृति में परिवर्तित किया जा रहा है और रीसाइक्लिंग के बारे में जागरूकता फैलाई जा रही है।

स्वच्छता के लिए वॉकेथॉन

आगरा

आगरा में 25,000 से अधिक नागरिकों ने शून्य अपशिष्ट हेल्थॉन के लिए एकजुट होकर स्वच्छता का संदेश प्रसारित किया, जिसके बाद पूरे शहर में सफाई अभियान चलाया गया।

गोरखपुर

गोरखपुर में टीम स्वच्छ ने विंध्यवासिनी पार्क में प्लॉगेथॉन का आयोजन किया गया! इस दौरान नागरिकों से सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने और नदियों, घाटों सहित पार्कों को प्लास्टिक मुक्त रखने का आग्रह किया गया।

स्वच्छता वॉरियर्स

अहमदाबाद

अहमदाबाद में सफाईमित्र सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है, जिसमें मशीनीकृत सफाई, सुरक्षा उपकरण और बेहतर कार्यकुशलता के लिए नियमित प्रशिक्षण भी शामिल है।

काकीनाडा

काकीनाडा ने RS आई हॉस्पिटल के साथ मिलकर सामुदायिक भवन के 13वें सर्किल में सफाई कर्मचारियों के लिए निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया।

स्वच्छता खबरों में...

Safai workers ensure Kumbh Mela is spic and span

Toil Hard Continuously In 6-hour Shift

SANITATION ARRANGEMENTS AT MAHA KUMBH

Sanitation staff remain on their toes to keep the Mela Area clean

Swachh Kumbh: 3 more STPs to clean Ganga for holy dips

Namami Gange Mission Devises A Unique Plan

The STPs will also ensure the river's uninterrupted flow and long-term cleanliness

'One bag, One Thali' initiative launched for plastic free mega fair

अमृत स्नान के बाद युद्धस्तर पर सफाई

घाटों की सफाई पर विशेष ध्यान, पूरे मेला क्षेत्र को किया जा रहा क्लीन

Cleanliness drive launched in Maha Kumbh area

'सबसे नीट अपनी बीट'... में बेहतर काम करने वाले 100 सफाईमित्रों का सम्मान

पीलिया खाल सूखे नाले में होगी मेयर इन काउंसलिंग की बैठक

खुलासा फर्स्ट...इंदौर

School upcycles 25,000 plastic bottles in a day, sets new record

JMC Commissioner extends New Year greetings to people

Announces accidental insurance cover for Sanitation workers

Excel Express Correspondent

JAMMU, DECEMBER 31: Commissioner Jammu Municipal Corporation (JMC), Dr. Devansh Yadav has extended warm New Year greetings to the people of Jammu and Kashmir in general and to the employees of the Jammu Municipal Corporation and their families in particular.

Dr. Yadav encouraged everyone, "Let us work together to make Jammu and Kashmir a better place to live and work".

The Commissioner announced that Jammu Municipal Corporation is taking a pathbreaking initiative to benefit ... through

"In collaboration with J&K Bank and Bajaj Allianz, JMC will provide accidental insurance cover of Rs. 5 lakh to these workers from the new year" the Commissioner announced.

The premium will be paid through the NGOs, he said and added that this initiative aims to enhance the sense of safety and security among the workers and their families, thereby boosting their confidence.

Dr. Yadav further emphasized that these workers would also reap the benefits from government welfare

महाकुंभ स्वच्छता वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते नगर विकास मंत्री एके शर्मा।

नगर विकास मंत्री ने स्वच्छता रथ को दिखाई हरी झंडी

JMC launches "Clean Toilet Campaign 2024"

JMC Commissioner Dr. Devansh Yadav launches "Clean Toilet Campaign."

UP's 1st bio-CNG plant at Naini

WASTE-TO-WEALTH: The plant will start functioning before Kumbh

TO BE INAUGURATED BY CM YOGI TODAY

आदि महोत्सव-2024

नगर निगम ग्रेटर द्वारा RRR सेन्टर बना मुख्य आकर्षण का केन्द्र

जवाहर कला केन्द्र के शिल्पग्राम में लग रहे सेन्टर में आमजन जमा करा रहे हैं अनुपयोगी सामान

सफाई कर्मियों के बजाय रोबोट से कर सकेंगे सीवर की सफाई

अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा स्वच्छ भारत मिशन को पूरी दुनिया में चलाने की है जरूरत

निगम की अभिनव पहल

स्वच्छता के प्रति जागरूकता के लिए शौचालय को बनाया पॉड कास्ट स्टूडियो

विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर शौचालय सुपर स्पॉट

प्रयागराज, बुधवार, 22 जनवरी, 2025, पृष्ठ : 4

शहर को स्वच्छ बनाने के लिए नगर निगम प्रयागराज और रेडियो सिटी का राष्ट्रीय अभियान शुरू

नगर विकास मंत्री और महापौर ने वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सोशल मीडिया ट्रेंड्स

Manohar Lal @mlkhattar · Feb 1
Chaired a meeting with @MoHUA_India & @MInOfPower officials to discuss key budget announcements and outline the ministry's roadmap for the coming days.
We are committed to accelerating development, strengthening urban infrastructure, and ensuring reliable power for all.
Show more

sbmurbangov
Before
After

Swachh Bharat Mission - Urban
February 4 at 5:56 PM
#SwachhMahakumbh #mahakumbh2025
स्वच्छता महाकुंभ 2025
महा कुंभ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं को स्वच्छ टॉयलेट के उपयोग व जानकारी हेतु लगाए गए जगह जगह साइनेज

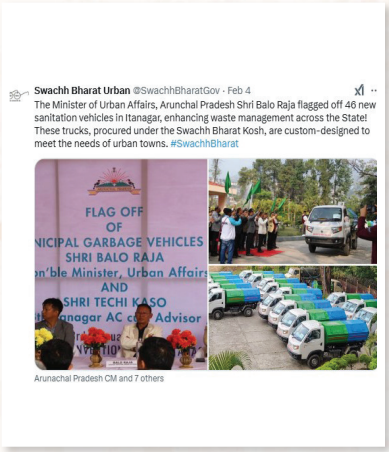
Swachh Bharat Urban @SwachhBharatGov · Feb 4
The Minister of Urban Affairs, Arunachal Pradesh Shri Balo Raja flagged off 46 new sanitation vehicles in Itanagar, enhancing waste management across the State! These trucks, procured under the Swachh Bharat Kosh, are custom-designed to meet the needs of urban towns. #SwachhBharat
FLAG OFF
OF
SHRI BALO RAJA
AND
SHRI TECHI KASO
Arunachal Pradesh CM and 7 others

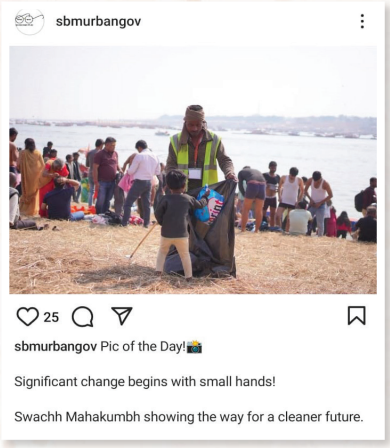
sbmurbangov
25
sbmurbangov Pic of the Day!📸
Significant change begins with small hands!
Swachh Mahakumbh showing the way for a cleaner future.

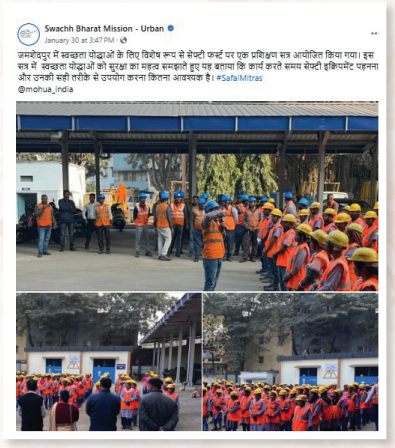
Swachh Bharat Mission - Urban
January 30 at 3:47 PM
@mohua_india

Swachh Bharat Urban @SwachhBharatGov · Feb 3
गुरुग्राम नगर निगम द्वारा "हमारे साझा भविष्य के लिए आर्द्रभूमि को संरक्षित करें" अभियान के तहत बसई, बधवाड़ी, वजीराबाद और नूरपुर झारसा में तालाबों की सफाई की गई। यह पहल जल निकायों को पुनर्जीवित करने और आर्द्रभूमि की अहमियत को जागरूक करने की एक महत्वपूर्ण पहल है।#SwachhBharat
MCG and 6 others

sbmurbangov
1/4
27
sbmurbangov युवाओं में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए जयपुर ने स्वच्छथॉन 2025 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सैकड़ों युवाओं ने भाग लिया और संदेश दिया कि स्वच्छता केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक संस्कार है, जिसे हमें अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए।

Swachh Bharat Mission - Urban
January 31 at 5:43 PM
ग्रेटर जयपुर एवं सहयोगी संस्था, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2025 में कचरा प्रबंधन की एक प्रभावी प्रणाली लागू कर रहे हैं, ताकि इसे #ZeroWaste Event बनाया जा सके। #SwachhBharatMission और स्वच्छ सर्वेक्षण के दिशा-निर्देशों के अनुसार जयपुर को और भी स्वच्छ एवं हरित बनाने हेतु एक पहल।
Ministry of Housing and Urban Affairs LSG Rajasthan CMO Rajasthan
ECOWRAP
JAIPUR LITERATURE FESTIVAL

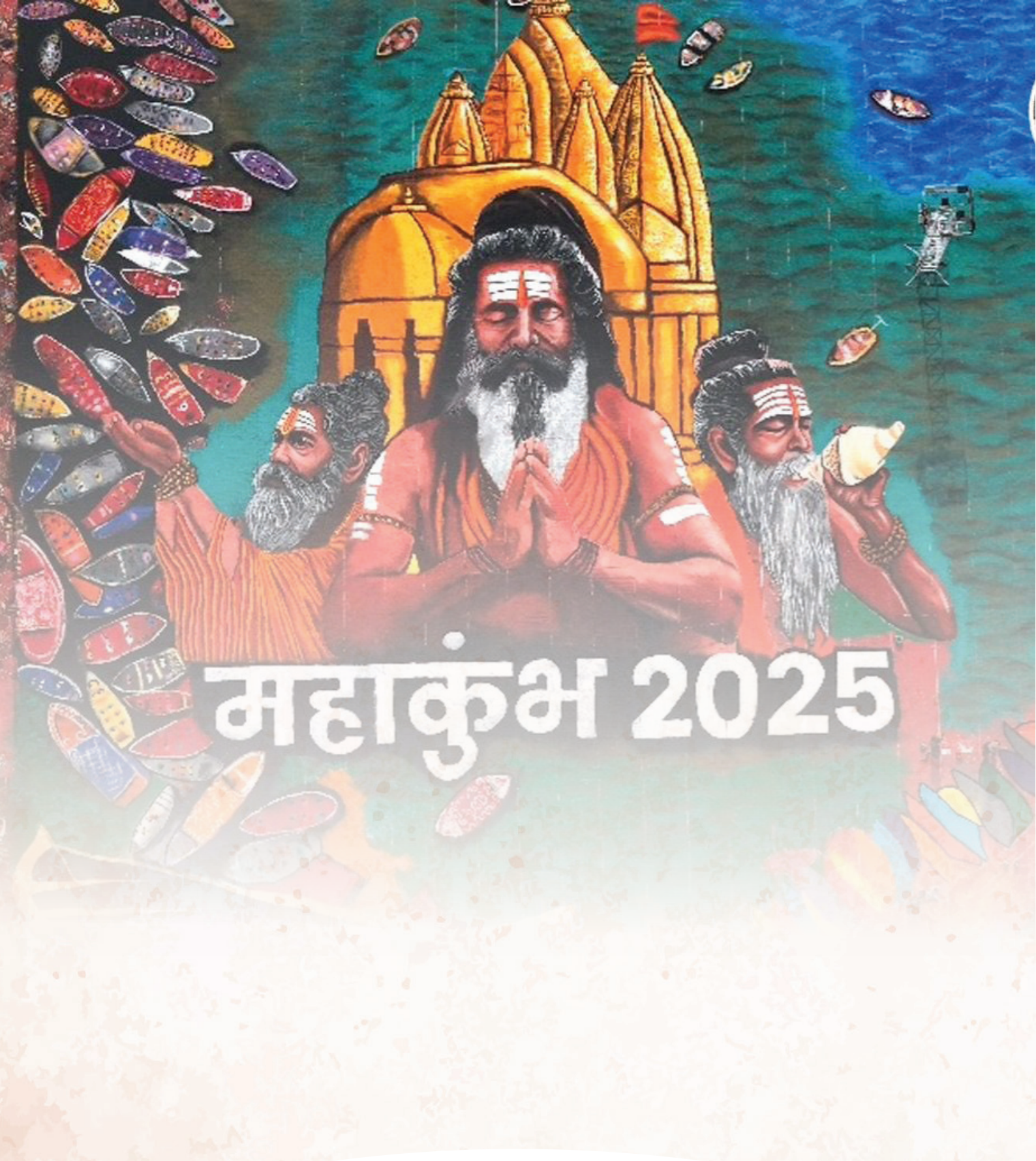

स्वच्छ भारत मिशन पर ज्यादा जानकारी के लिए

हमें फॉलो करें:

Swachh Bharat Mission – Urban | @SwachhBharatGov | sbm_urban | Swachh Bharat Urban | swachh-bharat-urban